अतियंत गोपनीय -केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतू

माध्यमिक विधालय परीक्षा, मार्च-2020

अक-योजना : **सामाजिक विज्ञान**

SUBJECT कोड संख्या : 087   PAPER कोड : 32/4/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्नपत्र में दिए गए दक्षता आधारित(competency based) दो प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक-योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

माध्यमिक विद्यालय परीक्षा (मार्च- 2020)

सामाजिक विज्ञान (087)

अंकन योजना 32/4/3

MM-80

QNO.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक **खंड -क**	PAGE NO.	MARKS
1.	D – नर्मदा घाटी से एक आदिवासी - जीविका उपार्जन की पूर्ति के लिए	Eco-pg 4	1
2.	**१९१७ में गुजरात के खेड़ा जिले में गांधीजी का सत्याग्रह** i. खेड़ा जिले के किसानों के समर्थन में	H-pg 31	1
3.	**तृतीयक क्षेत्र** i. कुल उत्पादन की अवधि में सबसे अधिक। 23 ii. रोजगार सृजन की अवधि में सबसे अधिक। iii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई एक बिंदु **अथवा** **संगठित क्षेत्र के लाभ** i. नौकरी की सुरक्षा ii. काम के घंटे तय किए iii. वैतनिक अवकाश / मेडिकल लाभ iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई एक बिंदु	Eco-pg 23 Eco-pg 30	1 1
4.	**तालिका प्रश्न** बिहार	Eco-pg 10	1
5.	बाल्कन	H-pg 26	1
6.	B – फारसी	H-pg 121	1
7.	B – डायमंड सूत्र	H-pg 106	1
8.	**जाति आधारित भेदभाव को समाप्त करने का सुझाव** i. जातिवाद को रोकने के लिए संविधान को कड़े कदम उठाने चाहिए। ii. शहरीकरण को बढ़ावा देना। iii. साक्षरता का बढ़ना।	DP PG-51	1

	iv. व्यावसायिक गतिशीलता। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई एक बिंदु **अथवा** **चुनाव और जाति व्यवस्था** i. जाति-आधारित अपील से बचें ii. जाति-आधारित समर्थन के लिए दलों को नहीं होना चाहिए। iii. लोगों में नई चेतना। iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई एक बिंदु	Dp Pg-51	1
9.	C – सिंहली	DP-pg 3	1
10.	**सत्ता के साझेदारी** i. संघर्ष को कम करने के लिए। ii. राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करें। iii. लोकतंत्र की भावना को बनाए रखने के लिए। iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। ऊपर वर्णित किसी भी एक का वर्णन करने के लिए। **अथवा** **लोकतांत्रिक देशों के प्रशासन में सामाजिक समूह** i. सामाजिक मतभेदों को समायोजित करने के लिए। ii. ताकि वे अलग-थलग महसूस न करें। iii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई एक बिंदु	DP-pg 06 DP-pg 09	1 1
11.	A – विभिन्न सामाजिक समूह	DP-pg 4	1
12.	पारंपरिक / गैर-नवीकरणीय	G-pg 56	1
13.	**पांडुलिपियों का व्यापक रूप से भारत में उपयोग नहीं किया गया** i. वे नाजुक और महंगे थे। ii. बहुत अधिक देखभाल की आवश्यकता है। iii. आसानी से नहीं पढ़ा जा सकता था जैसा कि विभिन्न शैलियों में लिखा गया है। iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	H-pg 119	1

	कोई एक बिंदु		
14.	महात्मा गाँधी द्वारा लिखित हिंद स्वराज **अथवा** आनंदमठ - बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय	H-pg 32 H-pg 47	1 1
15.	(A) कलोल तेल क्षेत्र -गुजरात	G-pg 57	1
16.	D - उत्तर प्रदेश	G-pg 89	1
17.	जवाहर लाल नेहरू पोर्ट अथवा हल्दिया पोर्ट	G-pg 85 G-pg 86	1 1
18.	. A- गैर परम्परागत B- परम्परागत	G-pg 2	½ + ½ =1
19.	**सीमांत कृषक की आय में वृद्धि के उपाय** i. फसल पद्धति में विविधता लाएं ii. गाँवों को आधारभूत संरचना प्रदान करें। iii. मंडियों की प्रतिस्पर्धा के रूप में वैकल्पिक विपणन तंत्र सुनिश्चित करें। iv. कृषि ज्ञान सृजन और हस्तांतरण को बढ़ाना। v. भूमि पर दबाव को कम करने के लिए अधिक गैर-कृषि रोजगार। vi. आनुवंशिक क्रांति / अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग) vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। कोई एक बिंदु	G-pg 45, 46	1
20.	A- विलियम प्रथम	H-pg 19	1
	SECTION -B		
21.	**केंद्र और राज्य के बीच शक्तियों का वितरण** i. संविधान स्पष्ट रूप से बीच में विधायी शक्तियों को वितरित करता है राज्य और संघ सरकार ii. ।विदेशी मामलों / बैंकिंग जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषय केंद्र सरकार की संघ सूची में आया। iii. पुलिस, व्यापार जैसे स्थानीय महत्व के विषय राज्य सूची के तहत राज्य सरकार। iv. शिक्षा / विवाह जैसे सामान्य हित के विषय आए केंद्र और राज्य सरकार	DP-pg 16,17	3

	दोनों की समवर्ती सूची के अंतर्गत। v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए।		
22.	**महिलाओं के साथ भेदभाव** i. भारतीय माता-पिता पुरुष बच्चे को पसंद करते हैं और महिला को गर्भपात कराते हैं। ii. माता-पिता लड़कियों की शिक्षा पर समान रूप से खर्च नहीं करते हैं। iii. महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में कम भुगतान किया जाता है iv. कार्य - समय। v. कईं बार महिलाओ के घरेलू हिंसा को सामना करना पड़ता है vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। वर्णित किए जाने वाले तीन बिंदु **अथवा** **भारत में जातियों की सरंचना और जाति व्यवस्था में परिवर्तन** i. जाति पदानुक्रम की पुरानी धारणाएं टूट रही हैं ii. आर्थिक विकास के कारण। iii. बड़े पैमाने पर शहरीकरण के कारण। iv. साक्षरता और शिक्षा के विकास के कारण। v. व्यावसायिक गतिशीलता के कारण। vi. पुरानी जाति की पदानुक्रम को तोड़ना। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। वर्णित किए जाने वाले तीन बिंदु	DP-pg 42, 43 DP-pg 51	3 3
23.	**असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की सुरक्षा की आवश्यकता** i. उनका अक्सर शोषण किया जाता है और उचित मजदूरी का भुगतान नहीं किया जाता है। ii. कम और अनियमित कमाई। iii. असुरक्षित नौकरी और कोई अन्य लाभ नहीं। iv. वे कमजोर लोग हैं इसलिए आर्थिक / सामाजिक सुरक्षा की जरूरत है v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	ECO-pg 32	3

	अथवा **निजी क्षेत्र की गतिविधियाँ** i. संपत्ति का स्वामित्व और सेवाओं की डिलीवरी निजी व्यक्ति या कंपनियां के हाथों में है ii. मकसद लाभ कमाना है। iii. कीमत तंत्र के अनुसार काम iv. निजी क्षेत्र से सेवाएँ प्राप्त करने के लिए हमें इन व्यक्तियों और कंपनियों पैसे देने होंगे v. टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (TISCO) या रिलायंस vi. उद्योग लिमिटेड (RIL) निजी स्वामित्व में हैं। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	ECO-pg 32	3
24.	**रेलवे** i. रेलवे भारत में परिवहन का प्रमुख साधन है। ii. रेलवे व्यापार, माल के परिवहन जैसी विविध गतिविधियों का संचालन करना संभव बनाता है। iii. भारत में रेलवे का बहुत बड़ा नेटवर्क है जो भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। iv. रेलवे व्यवसाय और विभिन्न विविध गतिविधियाँ जैसे तीर्थयात्रा पर्यटन, यात्रा, आवागमन आदि का संचालन करता है। v. स्रोत से उद्योगों तक कच्चे माल के परिवहन में सहायता, और बाजार में निर्मित सामान। vi. उद्योगों को बाजार के साथ जोड़ने और उन्हें विकसित करने में मदद करें। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	G-pg 84	3
25.	**19 वीं शताब्दी के दौरान अर्थशास्त्रियों द्वारा पहचाने गए तीन प्रवाह** i. व्यापार का प्रवाह काफी हद तक माल में व्यापार के लिए संदर्भित होता था (गेहूं या कपड़े)	H-pg 57	3

	ii. लोगों का प्रवाह (खोज में लोगों का प्रवासन) रोजगार) iii. लघु / दीर्घकालिक निवेश के लिए पूंजी का प्रवाह iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **भारत से कपड़ा निर्यात** i. कपास की महीन किस्म भारत से ही आती थी ii. भारतीय व्यापारियों / बैंकरों की विविधता iii. व्यापार के निर्यात का नेटवर्क iv. उन्होंने बुनकरों को सलाह दी v. बुनाई वाले गांवों से कपड़े। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	H-pg 89	3
26.	**स्रोत आधारित प्रश्न** *26.1 आसाम के बैगनी मज़दूरों के लिए स्वराज की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।* सीमित स्थान से स्वतंत्र रूप से अंदर और बाहर जाने का अधिकार। (1) *21.2 बागानी मजदूरों की आज़ादी में भड़क के रूप में 1859 के इनलैंड इमीग्रेशन एक्ट को एक बाधा के रूप में स्पष्ट करें* i. वृक्षारोपण श्रमिकों की स्वतंत्रता। ii. बागान श्रमिकों को बिना अनुमति के चाय बागान से जाने की अनुमति नहीं थी (1) 21.3 *मजदूरों के असहयोग आंदोलन में हिस्सा लेने के प्रमुख परिणाम को स्पष्ट कीजिये*। i. उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया और बेरहमी से पीटा। ii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (1) किसी एक बिंदु की व्याख्या	H-36	1+1+1= 3

27.	**औद्योगिक प्रदुषण द्वार पर्यावरण को क्षति** i. वायु प्रदूषण: अवांछनीय गैसे की उच्च अनुपात की उपस्थिति के कारण होता है ii. जल प्रदूषण: जैविक और अकार्बनिक औद्योगिक अपशिष्ट को समृद्ध नदियों में छोड़ दिए जाने से होता है । iii. पानी का थर्मल प्रदूषण:- यह तब होता है जब कारखानों और थर्मल प्लांट से गर्म पानी को ठंडा करने से पहले को नदियों में बहा दिया जाता है iv. कचरे का डंपिंग विशेष रूप से कांच, हानिकारक रसायन, औद्योगिक अपशिष्ट से भूमि प्रदूषण होता है v. औद्योगिक और निर्माण गतिविधियाँ, मशीनरी, कारखाने उपकरण आदि शोर प्रदूषण का कारण बनते हैं किसी भी एक बिंदु का उल्लेख किया जाना है। (1) B- **रोकने के उपाय** i. पानी का पुन: उपयोग और पुनर्नवीनीकरण किया जाना चाहिए ii. वर्षा जल का संचयन किया जाना चाहिए iii. धुएं को कम करने के लिए कारखानों में कोयले के बजाय तेल या गैस का उपयोग किया जाना चाहिए। iv. ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए जेनरेटर को साइलेंसर से सुसज्जित किया जाना चाहिए। v. उन्हें नदियों और तालाबों में छोड़ ने से पहले गर्म पानी और अपशिष्ट का उपचार किया जाना चाहिए vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (2) किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या की जाए।	Eco-pg 76, 78	3
28.	**संसाधनों के समान वितरण का महत्व** i. जीवन की एक सतत गुणवत्ता के लिए ii. अमीर और गरीब के बीच के अंतर को खत्म करना iii. गरीबी को कम करने के लिए	G-pg 03	3

	iv. विश्व में शांति बनाये रखने के लिए v. हमारे ग्रह को खतरे से बचाने के लिए। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **मानव अस्तित्व के लिए संसाधन** i. मानव ,सामग्री को संसाधनों में बदल सकता है और उनका उपयोग कर सकता है। ii. मानव अपने को संतुष्ट करने के लिए कच्चे माल के रूप में संसाधनों का उपयोग करता है iii. जरूरतों और आराम के लिए संसाधनाओ की आवश्यकता iv. उनका उपयोग वे कपड़े, भोजन बनाने, मकान बनाने के लिए करते हैं v. वे कोयला, गैस आदि जैसे ऊर्जा संसाधनों का उपयोग करते हैं। vi. बिजली, बिजली या चलाने के लिए ईंधन के रूप में वाहन, कारखाने आदि। vii. साधन जीवन की मुख्य गुणवत्ता में भी मदद करते हैं। viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	G-pg 03	3
29.	**SECTION-C** **लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित है।** i. लोकतंत्र का सविधान है ii. वे चुनाव करते हैं iii. उनके पास पार्टियां हैं iv. वे नागरिकों के अधिकारों की गारंटी देते हैं। v. नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है vi. व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है vii. निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है viii. संघर्ष को हल करने के लिए एक विधि प्रदान करता है ix. लोकतंत्र सभी नागरिकों को वोट देने का अधिकार देता है। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या	DP-pg 90	5
30.	**कृषि का योगदान** i. कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। ii. भारतीय सकल घरेलू उत्पादन (जी डी पी) में कृषि का उच्च हिस्सा। iii. यह भारत में अभी भी सबसे अधिक 52% रोजगार पैदा करता है।	G-pg 43, 44	5

	iv. भारतीय कृषि का आधुनिकीकरण अर्थव्यवस्था को समर्थन दे सकता है v. ग्रामीण बुनियादी ढांचे में कृषि से सुधार vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या की जाए		
31.	**आंतरिक कमियों को दूर करने के उपाय** i. राजनीतिक दलों को सदस्यता रजिस्टर रखना चाहिए। ii. राजनीतिक दलों को संगठनात्मक बैठक करनी चाहिए। iii. राजनीतिक दलों को नियमित आंतरिक चुनाव कराने चाहिए। iv. राजनीतिक दलों का अपना संविधान और होना चाहिए v. राजनीतिक दलों में वंशानुगत उत्तराधिकार नहीं होना चाहिए। vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्ही पाँच बिंदुओं की व्याख्या	DP-pg 86	5
32.	**स्वयं सहायता समूह** i. वे ग्रामीण गरीब / महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद करते हैं। ii. सामाजिक विषयों पर चर्चा करने के लिए स्वयं सहायता समूह की नियमित बैठकें iii. स्वास्थ्य, पोषण, घरेलू हिंसा जैसे मुद्दे पर चर्चा iv. संपार्श्विक की समस्या को दूर करने के लिए स्वयं सहायता समूह मददगार v. वे बचत को जोड़ कर समूह के सदस्यों की मदद करते है vi. वे गरीबी भी कम करते हैं vii. स्वरोजगार के अवसर पैदा करने में सहायक viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या **अथवा** **रोजमर्रा की जिंदगी में मुद्रा** i. पैसे के उपयोग से सामान खरीदा और बेचा जाता है। ii. पैसे के साथ कई तरह की सेवाओं का भी आदान-प्रदान किया जाता है। iii. धन का उपयोग, चाहतों के दोहरे संयोग की आवश्यकता को कम करता है। iv. पैसा रखने वाला व्यक्ति आसानी से विनिमय कर सकता है	E- PG-50 E-39,40	5 5

	v. अच्छी सेवाएं भी पायी जा सकती ही vi. सामन्य जीवन की अवश्क्ताओ की भी पूर्ति मुद्रा से आसान हो जाती है vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या की जाएं।		
33.	**1830 का दशक यूरोप में भरी कठिनाईयां ले कर आया** i. यूरोप में 19 वीं शताब्दी की पहली छमाही में जनसंख्या में भारी वृद्धि देखी गई ii. रोजगार चाहने वालों की संख्या रोजगार से अधिक है। iii. ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में बड़ी आबादी का प्रवास। iv. इंग्लॅण्ड के सस्ते मशीन-निर्मित सामानों के आयात से कड़ी प्रतिस्पर्धा v. अभिजात वर्ग ने अभी भी शक्ति विशेषाधिकार का आनंद लिया। vi. किसान सामंती बकाया के बोझ तले जूझते रहे। vii. खराब फसल के कारण खाद्य कीमतों में वृद्धि। viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या की जाए **अथवा** **साम्राज्यवाद से जुड़ कर राष्ट्रवाद प्रथम विश्व युद्ध का कारण** i. बाल्कन में रोमांटिक राष्ट्रवाद के विचारों का प्रसार ii. तुर्क साम्राज्य का विघटन iii. व्यापार, उपनिवेश, नौसेना और सैन्य पर यूरोपीय शक्तियों के बीच तीव्र प्रतिद्वंद्विता, iv. राष्ट्र वादियों द्वारा साम्राज्यवाद विरोधी आंदोलन v. स्वतंत्र राष्ट्र राज्य बनाने के लिए संघर्ष vi. वे सामूहिक राष्ट्रीय एकता की भावना से प्रेरित थे। vii. राष्ट्रवाद के यूरोपीय विचारों ने अपनी विविधता विकसित की Vii कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। समग्र रूप से मूल्यांकन	H-pg 15 H-pg 27	5 5
34.	**स्रोत आधारित प्रश्न** **स्रोत ए - विदेशी व्यापार और बाजारों का एकीकरण** *34.1 विदेशी व्यापार बाजार को कैसे एकीकृत करता है?* i) विदेशी व्यापार के लिए एक अवसर पैदा करता है उत्पादकों घरेलू बाजारों से परे तक पहुँचने के लिए।	E Pg- 59,61,64	2+2+1= 5

	ii) निर्माता अपने उत्पादों को स्थित बाजारों में बेच सकते हैं अन्य देशों में। iii) यह परे माल की पसंद का विस्तार करने में मदद करता है घरेलू बाजार। iv) यह देशों को जोड़ने वाला एक मुख्य चैनल है v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु कोई भी दो अंक (2) **स्रोत बी – वैश्वीकरण** *34.2 वैश्वीकरण कैसे क्षेत्रो और महाद्वीपों में मानव गतिविधि का विस्तार कर रहा है* ? i. एक देश से दूसरे देश में लोगों की आवाजाही ii. बेहतर आय / नौकरी / शिक्षा की खोज। iii. वैश्वीकरण बड़े के लिए अधिक अवसर पैदा करता है iv. दुनिया भर के बाजार। v. देशों में पूंजी प्रवाह की अधिक पहुंच है vi. प्रौद्योगिकी, मानव पूंजी, vii. सस्ता आयात और बड़ा निर्यात बाजार viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु कोई भी दो अंक (2) **स्रोत -C विश्व व्यापार संगठन** 34.3- *विश्व व्यापार संगठन के कार्यों और विधियों मजबूत बहस को जन्म दिया है* i. डब्ल्यूटीओ के नियमों ने विकासशील देशों को व्यापार को हटाने के लिए मजबूर किया ii. वे बाधाएँ जो विकासशील देशों के हित में अनुचित हैं। i) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु कोई भी एक बिंदु (1)		
35.	35 के लिए Q 35 a और b - संलग्न मानचित्र देखें दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न	2+4=6 1X6 = 6	

	35.1 दांडी 35.2 खेड़ा 35.3 ओडिशा 35.4 ओडिशा 35.5 महाराष्ट्र 356. तमिलनाडु 35.7 अमृतसर 35.8 मोहाली